प्रकाशन तिथि : 15 दिसम्बर, 2022
प्रेषण तिथि : 19 दिसम्बर, 2022

'डाक पंजियन सं. जयपुर सिटी/247/2021-23
स.प.सं. 66332/97

पथ-प्रेरक

पाक्षिक

वर्ष 26 | अंक 19 | कुल पृष्ठ: 8 | एक प्रति: रुपए 7.00 | वार्षिक : रुपए 150/-

मांगना हो तो भगवान से मांगे: संरक्षक श्री

शिक्षा के क्षेत्र में भामाशाहों द्वारा सहयोग करना बहुत अच्छी बात है। आप लोगों ने मांगा और इन लोगों ने दिया। लेकिन कितना अच्छा हो जाए कि हमारे जनप्रतिनिधि इतने जागरूक हों कि बिना मांगे ही दे दें। मांगना अच्छी चीज नहीं है, हाथ नीचे रखना अच्छी चीज नहीं है। आप लोग वोट देकर के इनको जिताते हैं और यह अपनी जेब से नहीं दे रहे हैं, इनका दायित्व है। मुझे याद है सीकर बोर्डिंग में, जसवंत सिंह साहब जब वित्त मंत्री थे, तो उन्होंने ग्यारह लाख रुपए दिए थे। जब उसका धन्यवाद दिया लोगों ने तो जसवंत सिंह जी ने कहा कि मैं अपनी जेब से नहीं दे रहा हूं। ना तो किसी के ऊपर कोई आरोप है ना कोई आक्षेप है, लेकिन मांगना हो तो फिर भगवान से मांगे, छोटे से क्या मांगना। नेता तो पांच साल रहते हैं, दस साल रहते हैं, लेकिन भगवान तो सदैव रहने वाला है, शाश्वत है। मैं तो कभी-कभी यह भी कहता हूं कि भगवान से भी ना मांगे, क्योंकि भगवान हमारी स्थिति को अच्छी तरह से जानता है। हमारे लिए जो उपयुक्त है, वे स्वयं दे देते है। उपर्युक्त बात माननीय संरक्षक महोदय भगवान सिंह रोलसाहबसर ने 10 दिसंबर को श्री हरसिद्धि शिक्षण संस्थान गडरारोड में आयोजित भामाशाह सम्मान समारोह को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा कि बाड़मेर में आते हुए मुझे लगभग साठ साल हो गए और यहां के लोगों को देख कर के, यहां के लोगों के जीवन को देख कर के मेरे मन में एक बात आती है, वह कई कार्यक्रमों में प्रकट भी करता हूं कि अगला जन्म मुझे कहीं मिले तो बाड़मेर की धरती पर मिले। इसलिए मिले कि मैं पूरी दुनिया में तो नहीं, लेकिन राजस्थान के अधिकांश गांवों में घूमता हूं,

(शेष पृष्ठ 2 पर)

सुखविंदर सिंह सुक्खू बने हिमाचल प्रदेश के सीएम

हिमाचल प्रदेश की नादौन विधानसभा से चौथी बार जीत कर आए कांग्रेस के सुखविंदर सिंह सुक्खू ने हिमाचल प्रदेश के पंद्रहवें मुख्यमंत्री के रूप में 11 दिसंबर को शपथ ली। हमीरपुर जिले की नादौन तहसील के सेरा गांव निवासी सुखविंदर सिंह साधारण राजपूत परिवार से हैं एवं इनके पिता ड्राईवर थे। अपनी मेहनत एवं अध्यवसाय के बल पर श्री सुखविंदर सिंह कांग्रेस के छात्र संगठन ठरवकसे राजनीतिक जीवन प्रारंभ कर मुख्यमंत्री के पद तक पहुंचे हैं। उल्लेखनीय है कि हिमाचल प्रदेश की राजनीति में अपनी सर्वस्वीकार्यता के कारण राजपूत समाज का विशेष स्थान रहा है और प्रदेश बनने के बाद अभी तक मुख्यमंत्री बने सात व्यक्तियों में से छः राजपूत रहे हैं।

भूंगरा (शेरगढ़) में दुखांतिका

जोधपुर जिले में शेरगढ़ क्षेत्र के भूंगरा गांव निवासी सगत सिंह के घर पर 8 दिसंबर को विवाह समारोह के समय गैस सिलेंडर में हुए विस्फोट में 18 जनों की मृत्यु हो गई तथा अनेक व्यक्ति गंभीर घायल हो गए। हृदय विदारक घटना से व्यथित समाजबंधुओं द्वारा विभिन्न स्तरों पर पीड़ित परिवारों की सहायता के प्रयास किए जा रहे हैं साथ ही प्रशासन एवं सरकार से भी पर्याप्त सहयोग की अपेक्षा है। पथप्रेरक परिवार हादसे में दिवगंत होने वालों की आत्मा की शांति एवं घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ के लिए प्रार्थना करता है।

'हृदय की चिंगारी से राख हटाने का कार्य करता है संघ'

अभी हमने एक गीत गाया - 'क्रांति का बजरा चला सवेरे। धूप ढली घिर आए अंधेरे।' अपने पूरे इतिहास को उठा कर देखें तो हम अनुभव कर सकते हैं कि पूरे संसार में इस प्रकार की क्रांतियां आईं जो वास्तव में क्रांति नहीं थीं, उनका वर्णन इस गीत में आया है। साथ ही, वास्तव में क्रांति क्या है, उसका भी पूज्य तनसिंह जी ने वर्णन किया है - 'नाम पुराने अर्थ नये दे, जीवन बदले क्रांति यही है।' यही क्रांति श्री क्षत्रिय संघ कर रहा है। पुराने इतिहास को हमने छोड़ा नहीं है, हमारे पूर्वजों के शौर्य, त्याग और बलिदान को प्रेरक मानते हुए उसके नए अर्थ में श्री क्षत्रिय युवक संघ अपना कर्तव्य कर रहा है और इस समाज को बदलने का प्रयास कर रहा है, जिसको वास्तविक रूप में क्रांति कहा जा सकता है। क्रांति का अर्थ यह नहीं है कि हम सड़कों पर निकल जाएं, हम

पटरियों को उखाड़ दें, सिनेमाघरों में आग लगा दें, यह क्रांति नहीं है। आग लगानी है, पूज्य तनसिंह जी भी चाहते थे कि आग लगे और उन्होंने भी आग लगाई, लेकिन वह आग लगाई अपने हृदय में। जो हृदय की अग्नि है उसी को जलाना पड़ेगा तभी इस प्रकार की क्रांति होना संभव है। संघ गांव-गांव ढाणी-ढाणी पहुंचकर यही करने का प्रयास करता है। सभाओं के रूप में, शाखाओं के रूप में, शिविरों के रूप में अपने सहयोगियों को बुलाकर, अनेक प्रकार से बहाने बनाकर हमें एकत्रित करके उस चिंगारी को बढ़ाने का प्रयास करता है। वही चिंगारी, जो हमारे पूर्वजों से हमको मिली है, वही अग्नि, जो हमको हमारे पूर्वजों से संस्कारों के रूप में मिली है। हमारे इतिहास के रूप में, उस त्याग और बलिदान के रूप में वे संस्कार जीवित हैं, अभी तक समाप्त नहीं हुए हैं लेकिन उस पर एक राख आ गई है और श्री क्षत्रिय युवक संघ मात्र उस राख को हटाने का प्रयास कर रहा है। बहुत कठिन काम है। कोई व्यक्ति अपने हृदय पर हाथ नहीं रखने देता है, उस चिंगारी के ऊपर से उस राख को जाने नहीं देता है क्योंकि उस से मोह हो गया है। जो आलस्य की राख है, जो नैराश्य की राख है, उसके प्रति आसक्ति हो गई है, इसलिए व्यक्ति श्री क्षत्रिय युवक संघ को अपने हृदय पर हाथ नहीं रखने देता है। उपर्युक्त बात माननीय संघप्रमुख श्री लक्ष्मण सिंह बैण्याकाबास ने 11 दिसंबर को चित्तौड़गढ़ के गांधीनगर स्थित जौहर भवन में मेवाड़-मालवा एवं मेवाड़-वागड़ संभाग द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित सहयोगियों के स्नेहमिलन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा कि पीढ़ी दर पीढ़ी हमारे इतिहास को देखें तो स्पष्ट है कि महाभारत काल से हमारा पतन प्रारंभ हो गया था। उस पतन काल को भी इतिहासकारों द्वारा राजपूतों का स्वर्ण युग कहा गया। हम कल्पना कर सकते हैं कि हमारा वास्तविक स्वर्णकाल कैसा रहा होगा, राम का राज्य किस प्रकार का होगा, रघु का, दिलीप का राज्य किस प्रकार का होगा।

(शेष पृष्ठ 2 पर)

(पृष्ठ एक का शेष)

मांगना हो तो...

लोगों से मिलता हूं, महिलाओं से मिलता हूं, बच्चियों से मिलता हूं, दुःखियों से मिलता हूं, संपन्न लोगों से मिलता हूं लेकिन जो बात यहां है, जो इंसानियत यहां है, वह दूसरी जगह नहीं है। इसको आप बनाए रखें, दूसरों की नकल ना करें। यह जो सारी गंदगी पूरब से आ रही है, उससे बचें। वैसे तो यह गंदगी पश्चिम से आती है लेकिन मैंने भारतवर्ष की बात कही है। ज्यों ज्यों पूरब से पश्चिम की ओर हमारे देश में, विशेष तौर से राजस्थान में पूरब से लेकर पश्चिम की ओर आप चलते जाएंगे तो संपन्नता वहां बढ़ती जाएगी, इंसानियत घटती जाएगी। लेकिन आपकी इंसानियत कहीं कम ना हो जाए, मैं भगवान से यह प्रार्थना करता हूं। आप भी भगवान से यह कहें कि मुझे सद्बुद्धि दें, ताकि मैं लोक कल्याण में अपना जीवन बिताऊं। मेरा पड़ोसी यदि भूखा है तो मैं दो रोटी खाने की बजाय आधी रोटी खाऊं, पर उनके बच्चों को भी दूं। हॉस्टल की बात भी यहां की गई। यदि पैसा सरकार देती है तो हॉस्टल सार्वजनिक होता है। लोगों ने भी यहां पैसा दिया है और इस भावना से दिया है कि यह हॉस्टल समाज के काम आना चाहिए। जिन लोगों को कहीं दूसरी जगह एडमिशन नहीं मिलता है, वह चाहे किसी जाति का हो, उन्हें प्रवेश मिलना चाहिए। यदि आप अपने आप को क्षत्रिय समझते हैं तो खुद मर के भी लोगों को जिंदा रखने का जो काम आपके पूर्वजों ने किया है, उसको सदैव स्मरण रखें और सबको गले लगाएं।

ख्याला मठ के महंत श्री गोरखनाथ जी के सानिध्य में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए केन्द्रीय जल शक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि इस क्षेत्र में शिक्षा के न्यून स्तर को देखते हुए श्री हरसिद्धि शिक्षण संस्थान के माध्यम से समाज के लोगों द्वारा इस प्रकार का महत्वपूर्ण कार्य करना बहुत अच्छी बात है। इससे क्षेत्र के विद्यार्थियों को बाहर पढ़ने नहीं जाना पड़ेगा। यह एक सरहानीय कदम है और इसके लिए संस्था के लोग सम्मान के अधिकारी है। इसके साथ ही उन्होंने इस क्षेत्र की पानी और डीएनपी की समस्याओं का जिक्र करते हुए उनके समाधान का आश्वासन दिया। उन्होंने माननीय संरक्षक श्री के वक्तव्य 'मेरे पास होता तो मैं भी देता' के प्रति सम्मान प्रकट करते हुए उनके नाम से स्वयं की ओर से संस्थान को दस लाख रुपए देने की घोषणा की। केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री कैलाश चौधरी ने कहा कि संस्थान के लोगों के संघर्ष और मेहनत का ही परिणाम है कि यह कार्य पूर्ण होने जा रहा है। आपका सहयोग, आशीर्वाद एवं साथ मिलता रहे जिससे मैं भी राष्ट्र सेवा के कार्य में अपना योगदान दे सकूं। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के जिला प्रचारक तरुण जी ने संस्थान के लोगों द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में किए जा रहे इस कार्य को महत्वपूर्ण बताते हुए संस्थान द्वारा सर्व समाज के विद्यार्थियों को सुविधा प्रदान करने के कार्य की सराहना करते हुए समाज में सद्भावना बढाने के लिए इसे महत्त्वपूर्ण बताया। समारोह को बाड़मेर रावल त्रिभुवनसिंह, सिवाना विधायक हमीर सिंह भायल, राजेन्द्र सिंह भिंयाड, स्वरूपसिंह चाडी, खुमाणसिंह सुवाला एवं लक्ष्मण वाडेरा ने भी संबोधित किया। अनेक भामाशाहों ने संस्थान में विभिन्न कार्यों के लिए आर्थिक सहयोग प्रदान करने की घोषणा भी की। कुशलसिंह गडरारोड द्वारा संस्थान का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया। भामाशाहों को स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया। समारोह का संचालन रघुवीर सिंह तामलोर द्वारा किया गया। समारोह में पूर्व विधायक जालमसिंह सतो, कमलसिंह चूली, गोपाल सिंह रामसर सहित क्षेत्र के कई गणमान्य लोग मौजुद रहे। श्री क्षत्रिय युवक संघ के केंद्रीय कार्यकारी कृष्णसिंह राणीगाँव सहयोगियों सहित उपस्थित रहे। संस्थान के अध्यक्ष पूर्व विधायक हरिसिंह ने सभी का आभार प्रकट किया।

हृदय की...

लेकिन इस पतन काल में हम आपस में लड़ते रहे, बाहर से शत्रु आये, उनसे भी अकेले लड़ते रहे और लड़ते-लड़ते हमारी धारणाएं ही बदल गई। हम आपस में लड़ने लग गए, अपनी विशेषताओं को हम खोने लगे और जब व्यक्ति स्वार्थ में अंधा हो जाता है, भोग विलास में अंधा हो जाता है तो उसकी विशेषताएं दब जाती हैं। वह अपनी उपयोगिता को खो देता है और कोई भी वस्तु यदि अपनी उपयोगिता को खो दे तो उस वस्तु का कोई औचित्य नहीं रह जाता है, वह नष्ट हो जाती है। जब तक हम समाज के लिए उपयोगी थे तब तक समाज ने हमको सिर पर बिठा कर रखा, हमको मान सम्मान के साथ रखा, हमको उपयोगी मानकर वह स्थान दिया जो हमें मिलना चाहिए था। लेकिन जिस दिन से हम अनुपयोगी हो गए उस दिन से संसार ने भी हमें छोड़ दिया। पूज्य तनसिंह जी की यही पीड़ा थी, उनके हृदय में यही आग थी। इस पतन को रोकने के लिए ही उन्होंने ऐसा प्लेटफार्म खड़ा किया जिससे हम और नीचे ना गिरें। हमारा स्वाभिमान, हमारा त्याग और बलिदान हमारे अंदर जीवित है, बस उस राख को हटाना है और उसी का प्रयास किया पूज्य तनसिंह जी ने। उस राख को हटाते हटाते आज 75 वर्ष हो गए हैं। हम कल्पना कर सकते हैं कि कितनी राख जमी हुई है। किसी को लग सकता है कि 75 वर्ष हो गए, अब तक कुछ नहीं हुआ। हमने बहुत बड़ी हीरक जयंती मनाली, लेकिन फिर भी समाज में चेतना नहीं आ रही है। नहीं आ सकती है क्योंकि हम पांच हजार वर्ष से गिरते जा रहे हैं तो उस समाज को उठने में कितना समय लगेगा यह कल्पना हम कर सकते हैं। लेकिन क्योंकि मनुष्य की स्वाभाविक उम्र वह 80 से 100 वर्ष है और प्रत्येक व्यक्ति अपने जीवन काल में परिणाम देखना चाहता है इसीलिए उसे जल्दी होती है। लेकिन श्री क्षत्रिय युवक संघ के साथ ऐसा नहीं है क्योंकि समाज की कोई निश्चित उम्र नहीं होती। जल्दबाजी में गड़बड़ हो सकती है, हम वापस गिर सकते हैं, फिसल सकते हैं इसलिए जल्दबाजी को संघ स्वीकार नहीं करता। लेकिन फिर भी संघ यह प्रयास करता है कि हमारे तुरंत परिणाम देखने के इच्छा का भी समाधान हो। अन्य लोगों की दृष्टि में वह बहुत बड़ा काम हो सकता है, लेकिन श्री क्षत्रिय युवक संघ की दृष्टि में वह छोटा काम है। जैसे हीरक जयंती हमने मनाई। समाज के दृष्टिकोण से, संसार के दृष्टिकोण से बहुत बड़ा काम हुआ वह, लेकिन संघ ने 75 वर्ष में जो तपस्या की है, संघ के पुराने स्वयंसेवकों ने जो तपस्या की, साधना की, उस साधना का प्रभाव और फल था वह। किसी भी शक्ति को हम संग्रहित करते हैं और उसे व्यय करते हैं तो वह समाप्त हो जाती हैं। इसलिए शक्ति का निरंतर निर्माण करना पड़ता है। इसलिए संघ निरंतर अपनी साधना और तपस्या से शक्ति का संचय कर रहा है। श्री क्षत्रिय युवक संघ एक साधना है और साधना हमेशा चलकर होती है, ठहर कर या सोकर साधना नहीं होती। साधना का कार्य हर व्यक्ति नहीं कर सकता। इसलिए संख्या को लेकर निराश होने की भी आवश्यकता नहीं है। केवल निरंतर संकल्प पूर्वक चलते रहने की आवश्यकता है।

कार्यक्रम के प्रारंभ में सभी आगंतुक सहयोगियों का परिचय हुआ। मेवाड़ मालवा संभाग प्रमुख बृजराज सिंह खारडा ने कार्यक्रम का संचालन किया। सभी उपस्थित संभागियो ने 'संघ कार्य में सहयोग हेतु मैं क्या कर सकता हूं' विषय पर अपने-अपने विचार प्रस्तुत लिए। आगामी सात दिवसीय माध्यमिक प्रशिक्षण शिविर बालक- धनोप माताजी तथा बालिका - जयमल कोट पुष्कर हेतु एवं मालवा क्षेत्र के प्राथमिक प्रशिक्षण शिविर, संघ स्थापना दिवस समारोह, श्री तनसिंह जयंती समारोह के आयोजन के संबंध में चर्चा की गई। प्रोफेसर लोकेंद्र सिंह ज्ञानगढ़ ने कहा कि श्री क्षत्रिय युवक संघ अनुशासित रूप से चरित्र व संस्कार निर्माण का कार्य कर रहा है। समाज के बहुमुखी विकास के लिए हमारी भावी पीढ़ी को अधिक से अधिक संघ के शिविरों में भेजा जाना चाहिए। वरिष्ठ स्वयंसेवक भवानी सिंह मुंगेरिया ने कहा कि हम सबसे पहले शक्ति का अर्जन करें क्योंकि इसी से समाज में कोई भी परिवर्तन लाना संभव होगा। संघ कार्य ईश्वरीय कार्य है, इस कार्य को करने वालों के लिए साधन, समय की कमी नहीं है, ना ही आपको कभी कोई नुकसान होगा। बस हम आलस्य छोड़ें और संघ कार्य करने में लग जाएं। कार्यक्रम में जौहर स्मृति संस्थान के उपाध्यक्ष शक्ति सिंह मुरलिया, पूर्व कोषाध्यक्ष नरपत सिंह भाटी, संयुक्त मंत्री गजराज सिंह बराड़ा सहित अनेकों गणमान्य समाजबंधु उपस्थित रहे। केंद्रीय कार्यकारी गंगा सिंह सजियाली व मेवाड़ वागड़ संभाग प्रमुख भंवर सिंह बेमला सहयोगियों सहित उपस्थित रहे।

मुंबई में स्थापना दिवस समारोह का पोस्टर विमोचन

मुंबई प्रांत में श्री क्षत्रिय युवक संघ के 77वें स्थापना दिवस (22 दिसंबर) के उपलक्ष में 25 दिसंबर (रविवार) को माननीय महावीर सिंह जी के सानिध्य में आयोजित होने वाले समारोह के पोस्टर का विमोचन 11 दिसंबर को भायंदर, गिरगांव चौपाटी, मलाड एवं बोरीवली शाखाओं में किया गया। इस दौरान शहर में रहने वाले स्वयंसेवक व समाजबंधु उपस्थित रहे।

गजेन्द्र सिंह शेखावत पहुंचे आलोक आश्रम

केंद्रीय जलशक्ति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने 10 दिसंबर को सुबह बाड़मेर स्थित आलोक आश्रम पहुंचकर माननीय संरक्षक महोदय भगवान सिंह रोलसहबसर से शिष्टाचार भेंट की एवं विभिन्न सामाजिक व राजनैतिक विषयों पर चर्चा की।

छवि शक्तावत और शीतल शेखावत बनी लेफ्टिनेंट

उदयपुर जिले के सिंहाड गांव निवासी छवि शक्तावत सुपुत्री शूरवीर सिंह भारतीय नौसेना में लेफ्टिनेंट बनी है। इंडियन नेवल एकैडमी एझिमाला, केरल में 26 नवंबर को हुई पासिंग परेड में उन्हें इस पद पर नियुक्ति मिली। वे यह उपलब्धि प्राप्त करने वाली मेवाड़ क्षेत्र की पहली बेटी है। उन्होंने इसी वर्ष एसएसबी बोर्ड का साक्षात्कार दिया था जिसमें प्रथम प्रयास में ही चयनित हुई। इसके बाद उन्होंने एझिमाला में प्रशिक्षण लिया। सीकर के नयाबास निवासी शीतल शेखावत का भी सेना में महिला वर्ग में अखिल भारतीय स्तर पर 65वीं रैंक पर लेफ्टिनेंट एमएनएस के पद पर चयन हुआ है। इनके पिता रविंद्र सिंह शेखावत किसान है।

युगपुरुष को कृतज्ञ समाज का नमन

(संस्थापक श्री की 43वीं पुण्यतिथि पर देशभर में हुए श्रद्धांजलि कार्यक्रम)

बाड़मेर

उदयपुर

डीएमवीएस, सीकर

7 दिसंबर को श्री क्षत्रिय युवक संघ के संस्थापक और समाज के लिए स्वधर्म पालन करते हुए परमलक्ष्य तक पहुंचाने का युग सापेक्ष मार्ग निर्मित करने वाले पूज्य श्री तनसिंह जी की 43वीं पुण्यतिथि थी। इस अवसर पर अपने प्रेरक एवं मार्गदर्शक के प्रति कृतज्ञ स्वयंसेवकों, समाजबंधुओं व देशवासियों ने देश भर में कार्यक्रम आयोजित कर उनके प्रति श्रद्धा प्रकट की एवं उनके बताए मार्ग पर चलने के संकल्प को दृढ़तर बनाने की प्रार्थना की। श्री क्षत्रिय युवक संघ के संरक्षक माननीय भगवान सिंह जी रोलसाहबसर 7 दिसंबर को प्रातः 5:30 बजे बाड़मेर स्थित राजपूत मुक्तिधाम में स्थित पूज्य श्री तन सिंह जी की छतरी पर सहयोगियों के साथ पहुंचे तथा पुष्पांजलि अर्पित की। इस दौरान केंद्रीय कार्यकारी कृष्ण सिंह राणीगांव, संभाग प्रमुख महिपाल सिंह चूली, वरिष्ठ स्वयंसेवक देवी सिंह माडपुरा, राम सिंह माडपुरा, नरपत सिंह चिराणा, भगत सिंह जसाई, जेतमाल सिंह विशाला, छगन सिंह लुणु सहित बाड़मेर शहर की शाखाओं के स्वयंसेवक तथा स्थानीय समाज बंधु उपस्थित रहे। जयपुर स्थित केंद्रीय कार्यालय संघशक्ति में पुण्यतिथि पर माननीय संघ प्रमुख श्री लक्ष्मण सिंह बैण्याकाबास एवं माननीय महावीर सिंह जी सरवड़ी के सानिध्य में भजन संध्या का आयोजन हुआ। माननीय दीप सिंह बैण्याकाबास, केंद्रीय कार्यकारी गजेन्द्र सिंह आऊ स्वयंसेवकों सहित उपस्थित रहे। श्री राजपूत छात्रावास जयपुर में भी पूज्य श्री तनसिंह जी की पुण्यतिथि मनाई गई जिसमें सम्भाग प्रमुख राजेंद्र सिंह बोबासर व गजेंद्र सिंह बरवाली के साथ श्री राजपूत छात्रावास के पदाधिकारी व छात्रों की उपस्थिति रही। दुगार्दास शाखा गोकुलपुरा, जयपुर प्रांत में भी कार्यक्रम आयोजित हुए। वयोवृद्ध स्वयंसेवक अर्जुन सिंह भगवानपुरा ने तनसिंह जी के साथ बिताए समय के संस्मरण सुनाए। जयपुर ग्रामीण प्रांत प्रमुख देवेंद्र सिंह बरवाली ने पूज्य श्री का जीवन परिचय दिया। सुरेंद्र सिंह जस्सूपुरा ने कार्यक्रम का संचालन किया। महाराजा गंगा सिंह जी शाखा गांधी पार्क, बीकानेर में भी पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि कार्यक्रम रखा गया जिसमें वरिष्ठ स्वयंसेवक उम्मेद सिंह सुल्ताना ने पूज्य श्री के जीवन के बारे में बताते हुए कहा कि पूज्य श्री ने केवल 55 वर्ष के जीवन काल में क्षत्रिय समाज के लिए ऐसा पथ तैयार किया जिस पर साधारण से साधारण व्यक्ति भी चलकर अपने जीवन के समस्त दायित्वों की पूर्ति करते हुए परम लक्ष्य को प्राप्त कर सकता है। पूज्य श्री को वास्तविक अर्थों में स्मरण करना है तो हमें उनके बताए मार्ग पर चलना होगा, अनुभूत करना होगा। कार्यक्रम में शेखावाटी संभाग प्रमुख खींव सिंह सुल्ताना, बीकानेर शहर प्रांत प्रमुख राजेंद्र सिंह आलसर, श्री क्षात्र पुरुषार्थ फाउंडेशन के सहयोगी जुगल सिंह बेलासर व गजेंद्र सिंह लूंछ सहयोगियों सहित उपस्थित रहे। बीकानेर में संभागीय कार्यालय नारायण निकेतन में बालिका शाखा द्वारा भी कार्यक्रम रखा गया। राजपूत विश्राम गृह श्री कोलायत में भी कार्यक्रम आयोजित हुआ जिसमें युधिष्ठिर सिंह हाडला, विजय राज सिंह भाटी, अशोक सिंह हाडला, सुमेर सिंह इंदा सहित अनेकों समाजबंधु उपस्थित रहे। बीकानेर संभाग के ही चूरू प्रांत के गाँव दसूसर में भी कार्यक्रम आयोजित हुआ जिसमें मोहन सिंह फ्रांसा व किशन सिंह गोरीसर सहयोगियों सहित उपस्थित रहे। नागौर जिले में भी पूज्य तनसिंह जी की पुण्यतिथि पर विभिन्न स्थानों पर कार्यक्रम आयोजित कर उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किए गए। नागौर स्थित श्री अमर राजपूत छात्रावास में आयोजित कार्यक्रम में प्रांत प्रमुख उगम सिंह गोकुल छात्रावास के युवाओं के साथ उपस्थित रहे। खींवसर के पांचलासिद्धा की वीर दुगार्दास शाखा में भी कार्यक्रम रखा गया। जायल विधानसभा क्षेत्र में गुगरियाली में, छापड़ा व उचाइड़ा में भी कार्यक्रम हुए। परबतसर विधानसभा क्षेत्र में नैणिया में, मेड़ता में, धवाडा शाखा में और हरसोलाव क्षेत्र में भाटीयो की ढाणी में भी कार्यक्रम आयोजित हुए। मेड़ता में श्री चारभुजा राजपूत छात्रावास में छात्रावास अधीक्षक, कार्यकारिणी सदस्यों व छात्रावास के युवाओं ने पूज्य श्री को श्रद्धांजलि अर्पित की। नावां विधानसभा क्षेत्र में कुचामन सिटी स्थित श्री आयुवान निकेतन कार्यालय में कार्यक्रम रखा गया। जिले में लगने वाली सभी शाखाओं में भी पूज्य श्री के प्रति श्रद्धांजलि प्रकट की गई।

(शेष पृष्ठ 6 पर)

सूरत

बीकानेर

मुम्बई

भिंयाड़

जैसलमेर

संपादकीय

राजनैतिक चुनौतियों का उत्तर है केंद्रीय शक्ति का निर्माण

गुजरात और हिमाचल प्रदेश के विधानसभा चुनाव हाल ही में संपन्न हुए, जिनके परिणाम 8 दिसंबर को घोषित हुए। इन परिणामों का हमारे समाज के संदर्भ में विश्लेषण करना समीचीन होगा ताकि वर्तमान राजनीतिक व्यवस्था में हमारी वर्तमान स्थिति को समझकर आगे के मार्ग निर्धारण के लिए सैद्धांतिक आधार तैयार करने की समझ समाज में विकसित हो सके। वैसे तो लोकतंत्र में चुनावों में सफलता-असफलता के अनेक पहलू और कारक होते हैं जिनका संपूर्ण विश्लेषण यहां संभव नहीं, पर सामाजिक दृष्टिकोण से हमारे लिए महत्त्वपूर्ण पहलुओं पर चिंतन व चर्चा आवश्यक है। हिमाचल प्रदेश की बात करें तो यहां कुल 68 सीट में से 20 अनुसूचित जाति-जनजाति के लिए आरक्षित है। शेष 48 में से 30 सीट पर राजपूत उम्मीदवार जीते हैं। यहां दोनों दलों की ओर से 28-28 राजपूत उम्मीदवार मैदान में थे। हिमाचल की राजनीति को गहराई से देखें तो हमारे सामाजिक चरित्र की एक विशेषता उभर कर सामने आती है और वह है सभी को साथ लेकर चलने की। हिमाचल प्रदेश में हम संख्या और प्रभाव की दृष्टि से सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण समूह है। आज जहां सभी स्थानों पर संख्यात्मक रूप से कम उपस्थिति वाली अनेक जातियां भी अपना स्वयं के राजनीतिक दल बनाकर जातीय हितों को ही सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही हैं, वहां हिमाचल में हमारी 36 प्रतिशत संख्या होते हुए भी हमने अपना अलग दल बनाकर जातिवाद करने के बजाय सबको साथ लेकर चलने की अपनी परंपरा को निभाया और यही कारण है कि वहां हमें सभी जातियों का सहयोग मिलता है। इसीलिए वहां अब तक के सात में से छह मुख्यमंत्री राजपूत रहे हैं। यद्यपि सभी को साथ लेकर चलने की हमारी विशेषता केवल हिमाचल प्रदेश तक सीमित नहीं है बल्कि यह हमारी सार्वभौमिक विशेषता और पहचान है लेकिन हिमाचल चूंकि हमारी बहुसंख्यकता वाले कुछ प्रदेशों में से एक है, इसलिए वहां यह अधिक स्पष्टता से दिखाई देती है।

वहीं, गुजरात के चुनाव परिणामों को देखें तो वहां 182 सीट पर हमारे समाज के कुल 14 विधायक जीत कर आए हैं जिनमें 12 भाजपा से, 1 कांग्रेस से और 1 विधायक निर्दलीय हैं। यहां भाजपा और कांग्रेस, दोनों दलों ने 12-12 राजपूत उम्मीदवारों को टिकट दिए थे जो राज्य में हमारी संख्या और अन्य मतों को प्रभावित करने की क्षमता की तुलना में बहुत कम है। दोनों दलों में इतना कम प्रतिनिधित्व मिलने के कारणों पर हमें चिंतन अवश्य करना चाहिए। कांग्रेस की तरफ से कम प्रतिनिधित्व मिलने का कारण यही है कि अब तक हमें भारतीय जनता पार्टी का कोर वोटबैंक माना जाता रहा है और कांग्रेस द्वारा राजपूत उम्मीदवारों को टिकट दिए जाने पर हमारे समाज का मतदाता कांग्रेस की ओर स्थानांतरित होगा, इसका कोई मजबूत संकेत हम नहीं दे पाए हैं। इसलिए कांग्रेस की ओर से कम प्रतिनिधित्व खेदजनक तो है लेकिन पूरी तरह से अस्वाभाविक भी नहीं है। दूसरी तरफ, विडंबना यह है कि भारतीय जनता पार्टी की ओर से कम प्रतिनिधित्व मिलने का भी यही कारण है कि हमारा उसकी ओर स्थायी झुकाव रहा है। इस झुकाव का कारण राष्ट्रवाद, संस्कृति जैसे विषयों के प्रति हमारा लगाव और अतीत में कांग्रेस द्वारा हमारे प्रति किया गया दुर्भावनापूर्ण व्यवहार भी है। लेकिन आज एक दल के प्रति हमारा यह अशर्त झुकाव हमारे लिए ही समस्या बन रहा है। दबाव समूह की राजनीति के इस दौर में जब तक हम अपने समर्थन के साथ न्यायसंगत शर्तें लगाकर अपने विकल्पों को खुला रखना नहीं सीखेंगे, तब तक हमें दोनों दलों से उपेक्षा ही मिलेगी। हमें यह समझना होगा कि राजनीतिक दलों के लिए सत्ता ही साध्य है और जाति और समुदाय उनके लिए सत्ता प्राप्ति के साधन मात्र है। राजनीतिक दलों के लिए आज जाति केवल एक समीकरण है, उसकी भारतीय सामाजिक संरचना को स्थायित्व देने वाली रीढ़ के रूप में पहचान उनसे विस्मृत हो चुकी है। एक तरफ तो इसी विस्मरण के कारण वे जाति व्यवस्था को कोसते हुए उसे समाप्त करने का लक्ष्य बिना उसकी अव्यावहारिकता और दुष्परिणामों को समझे लेकर चलते हैं, दूसरी ओर अपनी पूरी राजनीति जातीय समीकरणों के आधार पर संचालित करते हैं और इस दौरान विभिन्न जातियों के बीच वैमनस्य को बढ़ाने का कार्य करते हैं।

यह तो राजनीतिक दलों की बात है लेकिन समाज के रूप में हमारा दृष्टिकोण कैसा है यह भी समझने की आवश्यकता है। हमारे समाज में भी अक्सर यह राय प्रकट की जाती है, विशेषकर सोशल मीडिया पर कि जाति के आधार पर ही आज की राजनीति चलती है इसलिए हमें भी पूरी तरह से जातिवादी होकर अपने राजनीतिक हित साधने का प्रयास करना चाहिए। अपनी जाति और अपने समाज के प्रति रागात्मक संबंध और स्नेह के कारण यह तर्क स्वाभाविक रूप से उचित भी लग सकता है लेकिन इसके पीछे विवेकशील चिंतन और दूरदृष्टि का अभाव है। निश्चित रूप से अन्य लोग ऐसा ही कर रहे हैं लेकिन अन्यों के ऐसा करने से वह करने योग्य कर्म नहीं बन जाता। यदि सभी जातियां अधिक से अधिक प्राप्त करने की होड़ में समाज राष्ट्र और मानवता के प्रति अपने दायित्व को भूल कर केवल अपने स्वार्थ पूर्ति को ही प्राथमिकता देंगे तो यह राष्ट्र और समाज का बिखरना तो निश्चित है ही पर जिस जाति के लिए यह सब किया जा रहा है वह भी नष्ट होने से बच नहीं सकेगी। आज राजनीति विकृत अवस्था में हैं लेकिन इस विकृति को ठीक करने की बजाय हम स्वयं विकृत होकर उसके साथ समायोजित होने का प्रयास करें तो वास्तव में यह कदम आत्मघाती ही होगा। अपने चरित्र की विशेषता को खोकर राजनैतिक और आर्थिक लाभ प्राप्त करना घाटे का सौदा ही नहीं बल्कि अपने जातीय अस्तित्व को समाप्त करने की ओर बढ़ना है।

स्पष्ट है कि आज हमारे सामने अपने चरित्र और स्वधर्म को खोये बिना जाति और समुदाय आधारित राजनीति के बीच अपने आपको राजनैतिक रूप से मजबूत बनाने के साथ ही मूल्यहीनता की राजनीति में हमारे पूर्वजों द्वारा स्थापित मूल्यों को पुनः प्रतिष्ठित करने की दोहरी चुनौती है। इस चुनौती का उत्तर केवल ऐसे संगठन के निर्माण में ही है जो हमारे समाज की केंद्रीय शक्ति के रूप में तो कार्य करे ही, साथ ही जो समाज को अपने स्वधर्म और कर्तव्य के पालन में प्रवृत्त करने में भी सक्षम हो। श्री क्षत्रिय युवक संघ का एक ध्येय, एक मार्ग, एक ध्वज, एक नेता के सिद्धांत पर खड़ा संगठन उसी आवश्यकता की पूर्ति कर रहा है। आएं, हम सब मिलकर समाज की इस केंद्रीय शक्ति के निर्माण में अपना सहयोग अर्पित करें, जिससे केवल राजनैतिक ही नहीं बल्कि सभी क्षेत्रों में हमारे समाज के सामने उपस्थित चुनौतियों को ध्वस्त किया जा सके। ऐसा होने पर ही हमारा समाज राष्ट्र, संस्कृति और मानवता की रक्षा के अपने उस दायित्व को निभा सकेगा, जो हमारे पूर्वजों से हमें थाती के रूप में प्राप्त हुआ है।

मेवाड़ का गुहिल वंश

मेवाड़ का शासक बनने के तुरन्त बाद अपने पिता के हत्यारों चाचा व मेरा को तो महाराणा कुम्भा ने सैन्य अभियान से युद्ध में काल के द्वार भेजकर दण्डित कर दिया था। परन्तु मेवाड़ के शत्रुओं को शरण देने वाले मालवा के सुल्तान महमुद खिलजी प्रथम को दण्डित नहीं किया जा सका था। तब वि.सं. 1494 में महाराणा ने सुल्तान पर सैन्य अभियान की तैयारी की। महाराणा कुम्भा और सुल्तान महमूद के मध्य सारंगपुर नामक स्थान पर युद्ध हुआ। महाराणा कुम्भा के शौर्य और युद्ध कौशल के सामने महमूद का विशाल सैन्यबल काम ना आया, भयंकर युद्ध में सुल्तान महमूद की पराजय हुई और वह युद्ध क्षेत्र से भागकर मांडू के किले में जा छिपा। कुम्भलगढ़ प्रशस्ती में इस युद्ध का वर्णन इस प्रकार है- 'कुंभकर्ण ने सारंगपुर में महमूद का महायुद्ध छुड़वाया, उस नगर को जलाया और आगस्त्य के समान अपने खड्गरूपी चुल्लू से वह मत्सय समुद्र को पी गया।' सारंगपुर से आगे आकर महाराणा कुम्भा ने मांडू का किला घेर लिया, अंत में किले का पतन कर सुल्तान की सेना भाग खड़ी हुई और सुल्तान महमूद को बंदी बनाकर महाराणा कुम्भा चित्तौड़ ले आए। फिर छह माह तक बन्दी बनाए रखा। अन्त में महमूद द्वारा क्षमा याचना करने पर महाराणा कुम्भा ने उसे मुक्त कर दिया। इस विजय के उपलक्ष्य में महाराणा कुम्भा ने अपने उपास्य देव भगवान विष्णु के निमित्त चित्तौड़ पर विशाल कीर्ति स्तम्भ का निर्माण करवाया। महाराणा मोकल के मारे जाने के बाद हाड़ौती के हाड़ों ने मेवाड़ से स्वतंत्र होने का प्रयास किया, जिस पर महाराणा कुम्भा ने हाड़ौती पर चढ़ाई की इस विषय में कुम्भलगढ़ के वि.सं. 1517 के शिलालेख में लिखा है कि बबावदा (बम्बावदा), मण्डलकर (मांडलगढ़) को महाराणा ने विजय किया, हाडावटी (हाड़ौती) को जीतकर वहां के राजाओं को करद बनाया और वृन्दावती (बूंदी) को जीत लिया। नागौर के शासक फिरोज खां के मरने पर उसका बेटा शम्स खां शासक बना पर उसके छोटे भाई मुजहिद खां ने उसे नागौर से निकालकर स्वयं शासक बन गया। तब शम्स खां महाराणा कुम्भा के पास गया। महाराणा कुम्भा ने नागौर पर चढ़ाई की। मुजहिद खां महाराणा के आने की खबर पाते ही नागौर जिस पर महाराणा कुंभा ने नागौर पर चढ़ाई कर दी। शम्स खां नागौर छोड़कर सहायता के लिए अहमदाबाद भाग गया। छोड़कर भाग गया। महाराणा कुम्भा ने कुछ शर्तों के साथ शम्स खां को नागौर का शासक बनाया, कुछ समय बाद ही शम्स खां ने उन शर्तों का उल्लंघन करना प्रारम्भ कर दिया। वहां के सुल्तान कुलबुद्दीन ने अपनी पुत्री का विवाह उससे किया और मलिक गदाई और राव रामचन्द्र की अधीनता में शम्स खां की सहायतार्थ नागौर पर सेना भेज दी, इस सेना को भी महाराणा कुम्भा ने परास्त कर दिया। गुजरात की सेना के बहुत से सेनानायक और सैनिक युद्ध में मारे गए। नागौर पर महाराणा का अधिकार हो गया। कीर्ति स्तम्भ प्रशस्ति में लिखा है कि 'कुंभकर्ण ने गुजरात के सुल्तान का उपहास करते हुए नागपुर (नागौर) लिया, पेरोज (फिरोज) की बनवाई हुई ऊंजी मस्जिद का जलवाया, किले को तोड़ा, हाथी छीन लिए, यवनियों को कैद किया और असंख्य यवनों को दण्डित किया।'

(क्रमशः)

शिविर सूचना

क्र.सं.	शिविर	समय	स्थान मार्ग आदि
01.	प्रा.प्र.शि. (बालिका)	24.12.2022 से 27.12.2022 तक	**नीमच**, मध्यप्रदेश।
02.	प्रा.प्र.शि. (बालिका)	25.12.2022 से 28.12.2022 तक	**रामसर**, बाड़मेर।
03.	प्रा.प्र.शि. (बालक)	25.12.2022 से 28.12.2022 तक	**दुजोद**, सीकर।
03.	मा.प्र.शि. (बालक)	25.12.2022 से 31.12.2022 तक	**पुंदलसर**, बीकानेर।
04.	मा.प्र.शि. (बालक)	25.12.2022 से 31.12.2022 तक	**आलोक आश्रम**, बाड़मेर।
05.	मा.प्र.शि. (बालक)	25.12.2022 से 31.12.2022 तक	**वंदे मातरम स्कूल**, पाली।
06.	मा.प्र.शि. (बालक)	25.12.2022 से 31.12.2022 तक	**आसकन्द्रा**, जैसलमेर
07.	मा.प्र.शि. (बालक)	25.12.2022 से 31.12.2022 तक	**तोसनिवाल धर्म शाला धनौप माता मन्दिर परिसर**, धनौप जिला भीलवाड़ा (केकड़ी से बिजयनगर गुलाबपुरा प्राईवेट बस मार्ग पर वाया फुलिया कलां वाली बस से माता जी मन्दिर मार्ग पर उतरें। मेवाड़ वागड़ हाड़ौती से आने वाले वाया शाहपुरा भीलवाड़ा होकर फुलियाकला पुलिस स्टेसन के सामने उतरें । वहां से बिजयनगर जाने वाली प्राईवेट बस पकड़कर मन्दिर मार्ग पर उतरें । अजमेर से आने वाले बिजयनगर रेल्वे फाटक से धनौप होकर जाने वाली केकड़ी की बस से पहुंचे। जयपुर से आने वाले वैशाली डिपो बस जयपुर भीलवाड़ा वाया केकड़ी फुलिया से पुलिस स्टेशन उतरें व प्राईवेट बस से मन्दिर उतरें । **संपर्क सूत्र** 9602246116, 9950286101, 9799278932
08.	मा.प्र.शि. (बालिका)	25.12.2022 से 31.12.2022 तक	**जयमल कोट पुष्कर**, अजमेर **संपर्क सूत्र** 9414005449, 9749922222, 9413040742
09.	प्रा.प्र.शि. (बालक)	28.12.2022 से 31.12.2022 तक	**मंदसोर**, मध्यप्रदेश।
10.	प्रा.प्र.शि. (बालक)	01.01.2023 से 04.01.2023 तक	**बेमला**।
11.	प्रा.प्र.शि. (बालक)	13.01.2023 से 15.01.2023 तक	**अमृतधाम आश्रम**। हैदराबाद **सम्पर्क सूत्र**: गोपालसिंह चारणीय 99498-99208 गोपालसिंह भिंयाड़ 93933-98120

शिविर में आने वाले युवक काला नीकर, सफेद कमीज या टीशर्ट, काली जूती या जूता व युवतियां केसरिया सलवार कमीज, कपड़े के काले जूते, मौसम के अनुसार बिस्तर (एक परिवार से दो जने हों तो अलग-अलग), पेन, डायरी, टॉर्च, रस्सी, चाकू, सूई-डोरा, कंघा, लोटा, थाली, कटोरी, चम्मच, गिलास साथ लेकर आवें। संघ साहित्य के अलावा कोई पत्र-पत्रिका, पुस्तकें एवं बहुमूल्य वस्तुएं साथ ना लावें।

दीपसिंह बैण्यकाबास, शिविर कार्यालय प्रमुख

कुराडिया (उदयपुर) में सामाजिक सद्भावना की परंपरा का पालन

उदयपुर जिले के कुराडिया गांव में डॉ अजीत सिंह शक्तावत ने अपने परिवार की परंपरा का पालन करते हुए सामाजिक सद्भावना का अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत किया है। 8 दिसंबर को गांव के एक मेघवाल युवक की बिंदोली निकालने पर उन्होंने श्रीफल भेंटकर उसका सम्मान किया। अजीत सिंह के पिता करण सिंह वर्षों से यह परंपरा निभाते आ रहे हैं एवं गांव के किसी भी दलित परिवार में विवाह के अवसर पर बिंदोली निकालने पर अपनी ओर से वर-वधु को शगुन के तौर पर श्रीफल भेंट कर उनका स्वागत करते हैं। गांव में सभी जातियों के लोगों ने इस परंपरा की सराहना की और शक्तावत परिवार का आभार प्रकट किया।

पाली, फालना व जोजावर में बैठकें संपन्न

पाली शहर में 25 से 31 दिसंबर तक वंदे मातरम छात्रावास में आयोजित होने जा रहे माध्यमिक प्रशिक्षण शिविर की तैयारियों हेतु विभिन्न स्थानों पर बैठकें आयोजित की गई। 10 दिसंबर को पाली स्थित राजपूत छात्रावास तथा शहर की करणी कॉलोनी में स्थित परबत सिंह भुणास के निवास पर संपर्क बैठक आयोजित हुई। यहां माध्यमिक प्रशिक्षण शिविर के लिए स्वयंसेवकों व सहयोगियों को क्षेत्र अनुसार दायित्व सौंपे गए। 11 दिसंबर को रानी फालना मंडल की बैठक निंबेश्वर महादेव मंदिर फालना में रखी गई। बैठक के दौरान शिविर एवं संघ स्थापना दिवस समारोह के संबंध में चर्चा करके कार्ययोजना बनाई गई। इसी दिन शाम 5:00 बजे जूना महादेव मंदिर, जोजावर में मारवाड़ जंक्शन मंडल का स्नेहमिलन कार्यक्रम आयोजित हुआ। प्रांत प्रमुख मोहब्बत सिंह धींगाणा सभी कार्यक्रमों में सहयोगियों सहित उपस्थित रहे।

IAS/ RAS
तैयारी करने का राजस्थान का सर्वश्रेष्ठ संस्थान
स्प्रिंग बोर्ड
Spring Board
Springboard Academy, Main Riddi Siddi choraha, Opposite Bank of Baroda, Gopalpura bypass Jaipur
website : www.springboardindia.org

भूर सिंह जान सिंह की बेरी का ओंकोलॉजी डीएम में चयन

बाड़मेर जिले की गडरा रोड तहसील के जान सिंह की बेरी गांव निवासी भूर सिंह भाटी का चयन डीएम (डॉक्टरेट ऑफ मेडिसिन) ओंकोलॉजी के लिए हुआ है। उन्होंने प्रथम प्रयास में ही अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान में छठा तथा आईएनआईएसएस में पांचवा स्थान प्राप्त किया है। सामान्य परिवार से आने वाले भूर सिंह ने वर्ष 2019 में आयोजित पीजी मेडिकल में भी राजस्थान में प्रथम स्थान प्राप्त किया था। इनके पिता साहबदान सिंह भाटी खेती करते हैं।

एंजेल्स एकेडमी द्वारा ताइक्वांडो प्रतियोगिता का आयोजन

कैंब्रिज कैंपस वर्ल्ड स्कूल वैशाली नगर, जयपुर में ताइक्वांडो की ओपन जिला स्तरीय प्रतियोगिता का आयोजन एंजेल्स एकेडमी द्वारा किया गया। एंजेल्स एकेडमी के संस्थापक सुखबीर सिंह और प्रमेंद्र सिंह तंवर ने बताया कि इस प्रतियोगिता में जयपुर की 18 स्कूलों के 350 छात्रों ने उत्साह के साथ भाग लिया। इस अवसर पर श्री क्षत्रिय युवक संघ के प्रांत प्रमुख देवेंद्र सिंह बरवाली ने बच्चों से कहा कि आप धीर, वीर व गंभीर बन कर अपने लक्ष्य की ओर बढ़ते रहें। ऐसा करके ही आप अच्छे नागरिक बनकर राष्ट्र की सेवा कर सकते हैं। ताइक्वांडो आपको शक्तिशाली बनाता है लेकिन आप कभी भी अपनी शक्ति का दुरुपयोग न करें, इसका ध्यान रखें। कृष्णा नाथावत (डायरेक्टर गुरुकुल ग्रुप ऑफ एजुकेशन), शिव चोपड़ा, मोहनलाल चोपड़ा (डायरेक्टर कैंब्रिज कैंपस वर्ल्ड स्कूल) सहित अनेकों गणमान्य व्यक्ति इस दौरान उपस्थित रहे।

युगपुरुष को कृतज्ञ समाज का नमन

जालोर

नागौर

काणेटी

सीकर

(पेज तीन से लगातार)

इसी प्रकार अजमेर प्रांत में पांच स्थानों पर कार्यक्रम आयोजित हुए। अजमेर शहर में राजपूत छात्रावास कुंदन नगर में कार्यक्रम हुआ जिसमें शिवदयाल सिंह खुड़ी व देवेंद्र सिंह बाज्यास ने पूज्य श्री का जीवन परिचय देते हुए श्री क्षत्रिय युवक संघ के बारे में जानकारी दी। कार्यक्रम में छात्रावास के छात्रों सहित शहर में रहने वाले स्वयंसेवक भी उपस्थित रहे। केकड़ी के जगदंबा छात्रावास में आयोजित कार्यक्रम में अजमेर प्रांत प्रमुख विजयराज सिंह जालिया सहयोगियों सहित उपस्थित रहे। सावर में आयोजित कार्यक्रम में बलवीर सिंह पीपलाज ने पूज्य श्री का परिचय प्रस्तुत किया। भिनाय रेण घाटी में वयोवृद्ध स्वयंसेवक भवानी सिंह पिलोदा की उपस्थिति में कार्यक्रम संपन्न हुआ। किशनगढ़ में भी कार्यक्रम आयोजित हुआ जिसमें करण सिंह सरदार सिंह की ढाणी ने पूज्य श्री के व्यक्तित्व व कृतित्व के बारे में बताया। जोधपुर संभाग में भी विभिन्न स्थानों पर कार्यक्रम आयोजित हुए। जोधपुर शहर प्रांत में संभागीय कार्यालय तनायन, सैनिकपुरी, हनवंत छात्रावास व सरदार छात्रावास में कार्यक्रम हुए। भोपालगढ़ प्रान्त में नांदिया, प्रभावती, साथिन, खारिया खंगार में एवं फलोदी औसिंया प्रान्त में बाप व गज सिंह शिक्षण संस्थान औसिंया में कार्यक्रम हुए। शेरगढ़ प्रान्त में नाहर सिंह नगर, सरस्वती महाविद्यालय सेतरावा एवं बालेसर सत्ता में कार्यक्रम आयोजित हुए। जालौर संभाग में जालौर शहर स्थित वीरमदेव राजपूत छात्रावास में पुण्यतिथि कार्यक्रम आयोजित हुआ जिसमें संभाग प्रमुख अर्जुन सिंह देलदरी सहयोगियों सहित उपस्थित रहे। राजपुत सभा भवन पाली में, दुगार्दास राजपूत छात्रावास पाली में, फालना में, श्री तल्लिनाथ शाखा पांचोटा में व तोडमी में भी कार्यक्रम आयोजित हुए। सोजत मण्डल में सारंगवास शाखा में भी कार्यक्रम रखा गया। सांचौर के रणोदर में भी कार्यक्रम हुआ। हाल ही में संघ के जैसलमेर संभागप्रमुख तारेन्द्र सिंह झिनझिनयाली की सुपुत्री की शादी रणोदर हुई। उनके 'आणे' की रस्म के दौरान ही कार्यक्रम आयोजित करके पूज्य श्री को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। केंद्रीय कार्यकारी प्रेम सिंह रणधा ने पूज्य श्री एवं श्री क्षत्रिय युवक संघ का परिचय दिया। वरिष्ठ स्वयंसेवक रेमत सिंह झिनझिनयाली, सावलसिंह मोढा, शैतान सिंह झिनझिनयाली, हिंगोल सिंह दामोदरा, दलपत सिंह झिनझिनयाली, स्वरूप सिंह भाडली, हीर सिंह, मूलसिंह, बाँक सिंह, रूप सिंह रणोदर आदि कार्यक्रम में उपस्थित रहे। गोपाल छात्रावास भीनमाल में भी कार्यक्रम रखा गया। उदयपुर के भूपाल नोबल्स स्नातकोत्तर महाविद्यालय के दृश्य कला विभाग द्वारा चित्र प्रदर्शनी के माध्यम से पूज्य तनसिंह जी को भावांजलि अर्पित की गई जिसमें उनके विभिन्न रूपों का चित्रांकन किया गया। मुख्य अतिथि बीएन विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार परबत सिंह राठौड़ ने तन सिंह जी को नमन करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. रितु तोमर, दृश्य कला विभाग की सह आचार्य डॉ कंचन राणावत, गिरधर पाल सिंह, डॉ. मनीषा शेखावत, डॉ. हेमेंद्र सिंह शक्तावत, डॉ. पंकज आमेटा, लेफ्टिनेंट डॉ. शैलजा राणावत, डॉ. टीना जैन, जन सम्पर्क अधिकारी डॉ. कमल सिंह राठौड़ सहित अनेकों गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। मेवाड़-मालवा संभाग के हाड़ौती प्रांत में कोटा के तलवंडी में वरिष्ठ स्वयंसेवक जसवंतसिंह बुहाना के आवास पर कार्यक्रम आयोजित हुआ। इस दौरान पूज्य श्री तनसिंह जी के संक्षिप्त जीवन परिचय का वाचन किया गया। कार्यक्रम में रविन्द्रसिंह लाखनी, अहीपालसिंह सेतरावा, तेजेश्वरसिंह विनोद खुर्द, मदनसिंह दांतीवाडा, लक्ष्मणसिंह

भावनगर

बाड़ा पिचानोत, जसवंतसिंह बुहाना आदि समाजबंधु मौजूद रहे। टोंक के निवाई में तेज भंवर सिंह नटवाड़ा ने सहयोगियों के साथ मिलकर कार्यक्रम का आयोजन किया। निंबाहेड़ा स्थित राजपूत छात्रावास में भी कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें केंद्रीय कार्यकारी गंगा सिंह साजियाली ने पूज्य श्री तन सिंह जी के साथ बिताए समय के संस्मरण सुनाए। वरिष्ठ स्वयंसेवक भवानी सिंह मुंगेरिया ने तनसिंह जी के तपस्वी जीवन के बारे में बताया एवं श्री क्षत्रिय युवक संघ के उद्देश्य व कार्यप्रणाली पर प्रकाश डाला। नारायण सिंह बडोली, राजेंद्र सिंह मीनाणा, निंबाहेड़ा रेलवे स्टेशन मास्टर शंभू सिंह राठौड़, कुलदीप सिंह झाला, एडवोकेट नारायण सिंह, शंभू सिंह, ठाकुर साहब नारायण सिंह बडोली, जिला कृषि अधिकारी जोगेन्द्र सिंह छोटाखेड़ा ने भी पूज्य श्री को शब्दांजलि अर्पित की एवं उनके बताए मार्ग पर चलने का आह्वान किया। कार्यक्रम का संचालन लक्ष्मण सिंह बडोली ने किया। बांसवाड़ा में सरस्वती विद्या विहार उच्च माध्यमिक विद्यालय मोटागाव में कार्यक्रम आयोजित किया गया। दिग्विजय सिंह लाम्बापारड़ा द्वारा पूज्य श्री का जीवन परिचय दिया गया। ठाकुर पृथ्वीराज सिंह मोटागाव व मोहन सिंह ठिकरिया चंद्रावत ने पूज्य श्री के बताए मार्ग पर चलने का आह्वान किया। सुरेंद्र सिंह बस्सी व चंदन सिंह ने हीरक जयंती के अपने अनुभव साझा किए और संघ के अनुशासन को प्रेरणास्पद बताया। कार्यक्रम में हनुमंत सिंह सज्जन सिंह का गड़ा, खुशवंत सिंह लाम्बापारड़ा, घनश्याम सिंह लाम्बापारड़ा, महेंद्र सिंह गनोड़ा, हरी सिंह काकाजी का गड़ा, श्रवण सिंह बिजेरी, पृथ्वीराज सिंह लाम्बापारड़ा, गोविंद सिंह तख्ताजी का टांडा, हरीशचंद्र सिंह गनोड़ा, योगेंद्र सिंह गनोड़ा, शम्भू सिंह लाम्बापारड़ा, राज्यवर्धन सिंह ठिकरिया, इंद्रवीर सिंह इंदोडा, करण सिंह पादर, नरेंद्र सिंह चेकला, जितेंद्र सिंह मांड, मानवेन्द्र सिंह मांड, चंदन सिंह ओडा भेरजी, राजेन्द्र सिंह मांड सहित अनेकों समाजबंधु उपस्थित रहे। बी एन महाविद्यालय उदयपुर की महाराणा सांगा शाखा में भी कार्यक्रम रखा गया। बालोतरा संभाग में वीर दुगार्दास हॉस्टल बालोतरा, टापरा, रेवाड़ा जेतमाल, वरिया, जेतमाल राजपूत छात्रावास पादरू एवं दुगार्दास शाखा कुंडल में कार्यक्रम आयोजित हुए। गुड़ामालानी प्रांत के रावली ढाणी हाथीतला शाखा में एवं बूठ गांव में भी कार्यक्रम आयोजित हुआ। मातेश्वरी शाखा मैदान भिंयाड में आयोजित कार्यक्रम में प्रान्त प्रमुख राजेन्द्रसिंह भिंयाड द्वितीय ने पूज्य श्री तनसिंह जी के व्यक्तित्व के बारे में बताया और कहा कि पूज्य तनसिंह ने लिखा है कि - 'निज को न बनाया तो जग रंच नहीं बनता।' इसलिए स्वयं से ही बदलाव की शुरूआत करें, दूसरों की तरफ नहीं देखें। कार्यक्रम में आरंग, चोचरा, धारवी, बीसू, कोटडियों की ढाणी, पाबूसर, लखासर, सवाई सिंह की बस्ती, बलाई सहित आस-पास के गांवों के स्वयंसेवक व समाजबंधु सम्मिलित हुए। बायतू प्रांत के गोगासर, देवपुरा, जाजवा और चिड़िया गांव में भी कार्यक्रम आयोजित हुए। वांकल विहार छात्रावास चौहटन में भी कार्यक्रम हुआ। जैसलमेर स्थित सम्भागीय कार्यालय तनाश्रम में पुण्यतिथि कार्यक्रम वरिष्ठ स्वयंसेवक बाबू सिंह बेरसियाला की उपस्थिति में आयोजित हुआ। जैसलमेर संभाग में चांधन प्रांत के देवीकोट मंडल में श्री रुपादें पब्लिक उमावि परिसर देवीकोट में भी श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित हुआ। विद्यालय के निर्देशक उगम सिंह लूणा, हरि सिंह गेराजा, रमेश राम झलोड़ा, लक्ष्मणराम देवपाल, विकास कुमार, मीणा, गोपाल सिंह चौधरी, सोमवीर सिंह सहित कई बंधुओं ने पूज्य श्री को श्रद्धांजलि दी।

(शेष पृष्ठ 7 पर)

अजमेर

जोजावर

युग पुरुष को...
(पृष्ठ छह का शेष)

कार्यक्रम का संचालन दलपत सिंह सांगाणा ने किया। सीकर के श्री कल्याण राजपूत छात्रावास में भी कार्यक्रम आयोजित हुआ जिसमें प्रांत प्रमुख जुगराज सिंह जूलियासर ने पूज्य श्री तन सिंह जी एवं श्री क्षत्रिय युवक संघ के बारे में जानकारी दी। ईश्वर सिंह अर्जुनपुरा ने तनसिंह जी के सान्निध्य में किए जीणमाता शिविर के संस्मरण सुनाते हुए उनके जीवन से प्रेरणा लेने की बात कही। सज्जन सिंह ने समाज के लिए ध्येयनिष्ठ होकर कार्य करने की बात कही। सुरेंद्र सिंह तंवरा ने कार्यक्रम का संचालन किया। सीकर स्थित दुर्गा महिला विकास संस्थान में तथा नाथावतपुरा में भी कार्यक्रम आयोजित हुए।

गुजरात में भावनगर की तक्षशिला शाखा में 4 दिसंबर को कार्यक्रम रखा गया जिसमें केंद्रीय कार्यकारी महेंद्र सिंह पांची ने पूज्य श्री और श्री क्षत्रिय युवक संघ का परिचय दिया। कार्यक्रम का संचालन यशपालसिंह थलसर ने किया। मंगलसिंह धोलेरा, अजीतसिंह थलसर सहयोगियों सहित उपस्थित रहे। मातृशक्ति की भी कार्यक्रम में उपस्थिति रही। इसी दिन भावनगर राजपूत बोर्डिंग में भी कार्यक्रम हुआ। 6 दिसंबर को पुण्यतिथि की पूर्व संध्या पर सूरत शहर के गोड़ादरा स्थित विनायका हाइट्स सोसायटी के कम्युनिटी हॉल में स्वयंसेवकों द्वारा सत्संग का आयोजन किया गया जिसमें भजन व सहगानों द्वारा पूज्य श्री तनसिंह जी को श्रद्धा सुमन अर्पित किए। कार्यक्रम में सूरत की सभी शाखाओं के स्वयंसेवक उपस्थित रहे। अगर सिंह छत्तागढ़ द्वारा वीणा वादन के साथ भजन कीर्तन करवाया गया। गोहिलवाड संभाग के मोरचंद में भी कार्यक्रम आयोजित हुआ जिसमें संभाग प्रमुख प्रवीणसिंह धोलेरा सहयोगियों सहित उपस्थित रहे। मोरचंद, खडसलिया, भवानीपुर व थलसर गांव के समाजबंधु कार्यक्रम में सम्मिलित हुए। मध्य गुजरात संभाग में काणेटी (अहमदाबाद) स्थित प्राथमिक शाला में भी कार्यक्रम आयोजित हुआ जिसमें संभागप्रमुख अणदु भा काणेटी एवं प्रांत प्रमुख बटुक सिंह काणेटी सहयोगियों सहित उपस्थित रहे। अवाणिया में पूज्यश्री की पुण्यतिथि के उपलक्ष्य में छात्रों के लिए चित्रकला व सहगीतों के अर्थबोध की स्पर्धा रखी गई। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्रों को पुरस्कृत भी किया गया। धंधुका राजपूत छात्रावास में भी कार्यक्रम हुआ। मुम्बई प्रांत में तनेराज शाखा द्वारा गिरगाव चौपाटी पर और वीर दुगार्दास शाखा द्वारा मलाड़ में पुण्यतिथि कार्यक्रम का आयोजन किया गया। दुर्गा माता शाखा पुणे एवं शास्त्री नगर (दिल्ली) में भी कार्यक्रम हुए।

रतन सिंह जी नंगली को दी श्रद्धांजलि

दुर्गा महिला विकास संस्थान के संस्थापक सहयोगी एवं लंबे समय तक संस्थान के संरक्षक का दायित्व निभाने वाले स्वर्गीय रतन सिंह जी नंगली की प्रथम पुण्यतिथि पर दुर्गा महिला विकास संस्थान बालिका छात्रावास नाथावतपुरा (सीकर) में पुष्पांजलि कार्यक्रम रखा गया। छात्रावास की बालिकाओं ने रतनसिंह जी की तस्वीर पर पुष्प अर्पित करके उनके प्रति श्रद्धा व कृतज्ञता प्रकट की। घिसू सिंह कासली ने रतन सिंह जी का जीवन परिचय बताते हुए कहा कि इस संस्था के निर्माण में वे पूर्ण रूप से समर्पित रहे, शिक्षक की नौकरी से संस्था के कार्य की जिम्मेदारी के चलते समय से पहले ही सेवानिवृत्ति ले ली। अंतिम सांस तक उनका चिंतन बालिका शिक्षा हेतु इस संस्था के प्रति बना रहा। शारीरिक रूप से असमर्थ हो गए तब भी संस्था के लिए ही समर्पित भाव से कार्य करते रहे।

मानवी शेखावत का असिस्टेंट प्रोफेसर परीक्षा में चयन

नागौर जिले के गोटन निवासी मानवी शेखावत सुपुत्री मोहन सिंह शेखावत ने राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित असिस्टेंट प्रोफेसर (इकोनामिक एडमिनिस्ट्रेशन एंड फाइनेंशियल मैनेजमेंट) परीक्षा 2020 में सफलता प्राप्त की है।

कृष्णा शेखावत को यू सी बर्कली में शोध हेतु आमंत्रण

नेवरी निवासी कृष्णा शेखावत को विश्व की सर्वश्रेष्ठ पब्लिक यूनिवर्सिटी मानी जाने वाली यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफोर्निया बर्कली में 'राजपूत समाज और जल संस्कृति' पर शोध करने के लिए आमंत्रित किया गया है। वे न्यूयॉर्क की एसोसिएशन ऑफ आर्ट म्यूजियम क्यूरेटर्स की मेंबर भी है। इनके पिता गजेंद्र सिंह कस्टम विभाग में अधीक्षक पद पर हैं। बाल्यकाल से ही इतिहास में रुचि रखने वाली कृष्णा शेखावत मिरांडा हाउस कॉलेज दिल्ली विश्वविद्यालय की छात्रा रही है।

नाथावतपुरा (सीकर) में कार्ययोजना बैठक संपन्न

शेखावाटी प्रांत के स्वयंसेवकों की कार्ययोजना बैठक 10-11 दिसंबर को श्री दुर्गा महिला संस्थान द्वारा संचालित मीरा स्कूल नाथावतपुरा में आयोजित हुई। बैठक में शेखावाटी क्षेत्र में संघ के शिविर, ग्राम पंचायत स्तर पर स्नेहमिलन कार्यक्रम आयोजित करने के साथ-साथ संघ के आनुषंगिक संगठन श्री प्रताप फाउंडेशन, श्री क्षात्र पुरुषार्थ फाउंडेशन, श्री प्रताप युवा शक्ति और श्री दुर्गा महिला संस्थान के कार्य को गति देने व समय समय पर कार्यक्रम आयोजित करने के लिए कार्ययोजना बनाई गई। प्रांतप्रमुख जुगराज सिंह जुलियासर ने श्री प्रताप युवा शक्ति द्वारा 18 दिसंबर को श्री कल्याण राजपूत छात्रावास सीकर में आयोजित होने वाले कैरियर गाइडेंस कार्यक्रम और निकटवर्ती ग्राम दूजोद में 25 से 28 दिसंबर को आयोजित होने वाले बालकों के प्राथमिक प्रशिक्षण शिविर की तैयारी के बारे में जानकारी देकर संपर्क के लिए स्वयंसेवकों को दायित्व सौंपे। सामूहिक भोजन एवं रात्रि प्रवास के साथ कार्यक्रम संपन्न हुआ।

महोबा (उत्तरप्रदेश) में स्थापना दिवस की तैयारियां

श्री क्षत्रिय युवक संघ का 77वां स्थापना दिवस उत्तरप्रदेश के महोबा में 22 दिसंबर 2022 को माननीय संघप्रमुख श्री के सान्निध्य में समारोहपूर्वक मनाया जाएगा। समारोह की पूर्व तैयारियों हेतु महोबा शहर व आस-पास के गांवों में गहन संपर्क राजस्थान से पहुंचे स्वयंसेवकों तथा स्थानीय सहयोगियों द्वारा किया जा रहा है। इस क्रम में बांदा, ग्योडी, कबरई, खन्ना, मकर बई, खरेला, अतरारमाफ, पिपरामाफ, चरखारी, रेपुरा खुर्द में संपर्क बैठकें आयोजित की गई हैं। संपर्क के दौरान स्थानीय समाजबंधुओं का भरपूर सहयोग मिल रहा है।

कालू सिंह सिणेर का देहावसान

श्री क्षत्रिय युवक संघ के स्वयंसेवक **कालू सिंह** पुत्र अमर सिंह सिणेर का निधन 13 दिसंबर 2022 को हो गया। पथप्रेरक परिवार परमेश्वर से दिवगंत आत्मा की शांति की प्रार्थना करते हुए परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त करता है।

विक्रम सिंह सिंघाना को पितृशोक

श्री नारायण सिंह जी

श्री क्षत्रिय युवक संघ के स्वयंसेवक विक्रम सिंह सिंघाना के पिता **श्री नारायण सिंह जी** का देहावसान 7 दिसंबर 2022 को हो गया। वे 83 वर्ष के थे। पथप्रेरक परिवार दिवंगत आत्मा की शांति के लिए परमेश्वर से प्रार्थना करता है एवं परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त करता है।

समारोह पूर्वक मनाई वीर शिरोमणि राव रूपाजी की जयंती

रूपावत राठौड़ो के मूल पुरुष राव रूपाजी की जयंती 1 दिसंबर को विभिन्न स्थानों पर मनाई गई। राव रूपा जी सेवा संस्थान जोधपुर के तत्वावधान में मुख्य समारोह रूपावतो की ढाणी नेतडा, जोधपुर में आयोजित हुआ। श्री क्षत्रिय युवक संघ के नोखा कोलायत प्रांत प्रमुख करणी सिंह भेलू ने कार्यक्रम की भूमिका बताते हुए कहा कि सभी सहयोगी भाव के साथ एक जाजम पर बैठ कर समाज हित में कार्य करें। ओम बन्ना टाइगर फोर्स के अध्यक्ष माधो सिंह उदट ने अपने विचार प्रकट करते हुए कहा कि महापुरुषों की जयंती मनाना तभी सार्थक है जब हम यहां से कुछ अच्छाई ग्रहण कर-के जाएं। हम बुजुर्गों के पास बैठें और उनसे इतिहास की जानकारी प्राप्त करें। बारा सरपंच भवानी सिंह ने कहा कि आज बच्चों को सही दिशा देना जरुरी है, नहीं तो समाजिक पतन अवश्यंभावी है। मेघ सिंह सोभाना ने चरित्र की श्रेष्ठता को बनाये रखने पर जोर दिया और कहा कि अगर चरित्र चला गया तो सब कुछ नष्ट हो जायेगा। डूंगर सिंह कापरडा ने कहा कि चाहे कैसी भी विषम परिस्थिति आ जाये, हमारे महापुरुष सदैव हमें संघर्ष की प्रेरणा देते हैं। संस्थान के अध्यक्ष भंवर सिंह उदट ने कहा कि जो कुछ मार्ग हमारे पूर्वजों ने बताया है उस पर चलना हमारा कर्त्तव्य है। ऐसा करने पर ही हम उनके वंशज कहलाने के अधिकारी हैं। मालम सिंह, माधो सिंह सांवतकुआ, भवानी सिंह खुड़ियाला, लक्ष्मन सिंह बुचेटी सरपंच ने भी अपने विचार रखे। नेतडा वासियो के द्वारा भोजन की व्यवस्था की गई। कार्यक्रम का संचालन हरिनारायण सिंह खुड़ियाला ने किया। इसके अतिरिक्त भेलू, उदट, चाखू, चिमाना, मुंजासर, भेड, लूनावास, भादला, सोभाना, रोड़ा, उदासर, फलोदी, कदमाली, देसूरी, ढाकोरिया सहित लगभग 50 से अधिक स्थानों पर राव रूपाजी की जयंती मनाई गई।

राव रूपाजी का परिचय

राव रूपा जी राठौड़ मंडोर रियासत के राठौड़ राजघराने के द्वितीय शासक राव रिड़मल जी (राव रणमल) राठौड़ के 24 पुत्रों में 11वें पुत्र थे। राव जोधा, राव कांधल ,राव पाता, राव चांपा, रावकरण, रावमंडला, राव अखेराज, राव मांडण,राव डूंगर, राव भाखर आदि इनके भाई थे। राव चांपा, राव रूपा व राव मंडला मंडोर शासक राव रिडमल की पांचवी रानी नाडोल चौहान घराने की राम कुंवर सोनगरा चौहान के गर्भ से उत्पन्न हुए। राव रूपा जी का जन्म मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष अष्टमी को विक्रम संवत 1480 में हुआ। रूपाजी राठौड़ के वंशज रुपावत राठौड़ कहलाये जो उदट, भेलू ,चाखू, चिमाणा, सौभाना, भादला, बूंगड़ी, उदासर, मुंजासर, भैड़, कुतड़ी, ढाकोरिया, जैसला, लुंबासर, कुंभासर, कलवानी, कदमाली, बरवाड़ा, कोद, खुडियाला, नेतड़ा आदि गांवों में रहतें हैं।

कैरू (हरियाणा) में स्नेहमिलन संपन्न

हरियाणा में भिवानी जिले के तोशाम हल्के के कैरू गांव में श्री क्षत्रिय युवक संघ का स्नेहमिलन कार्यक्रम 11 दिसंबर को आयोजित हुआ। अभिषेक सिंह बलियाली रामपुरा ने श्री क्षत्रिय युवक संघ एवं पूज्य तनसिंह जी का परिचय दिया। अरविन्द सिंह बालवा ने संघ की कार्यप्रणाली और क्षेत्र में संघ कार्य के विस्तार के बारे में बताया, साथ ही हरियाणा में ज्यादा से ज्यादा शिविरों के आयोजन की आवश्यकता बताते हुए उनमें समाज की सहभागिता बढ़ाने की बात कही। सभी सहभागियों ने क्षेत्र में संघ के कार्य को गति देने के लिए मिलकर प्रयास करने की बात कही। कार्यक्रम का संचालन कर्मवीर सिंह तिगड़ाना ने किया। कार्यक्रम में ओमपाल सिंह कैरू, नरेन्द्र सिंह कैरू, सुरेश सिंह कैरू, अनुपाल सिंह तिगड़ाना, संजय सिंह सुंगरपुर, नेत्रपाल सिंह भिवानी, शैलेश सिंह सहित अनेकों समाजबंधु उपस्थित रहे।

गुजरात व हिमाचल में 44 राजपूत पहुंचे विधानसभा

गुजरात और हिमाचल प्रदेश के विधानसभा चुनावों के परिणाम 8 दिसंबर को घोषित हुए। इनमें कुल 44 राजपूत विधायक चुने गए जिनमें गुजरात से 14 व हिमाचल प्रदेश से 30 विधायक हैं। उपलब्ध सूचना के अनुसार राज्यवार जीते हुए विधायकों की सूची (विधानसभा क्षेत्र व दल के नाम सहित) इस प्रकार है, और अधिक प्रमाणिक जानकारी के लिए स्थानीय संपर्क का उपयोग करें।

गुजरात

1. **प्रद्युमन सिंह जाड़ेजा** (अबडासा विधानसभा, भाजपा)
2. **विरेन्द्र सिंह जाड़ेजा** (रापर विधानसभा, भाजपा)
3. **रिवाबा जाड़ेजा** (जामनगर उत्तर वि.सभा, भाजपा)
4. **गीताबा जाड़ेजा** (गोंडल विधानसभा, भाजपा)
5. **किरीट सिंह राणा** (लींबडी विधानसभा, भाजपा)
6. **चंद्र सिंह राउलजी** (गोधरा विधानसभा, भाजपा)
7. **जयद्रथ सिंह परमार** (हालोल विधानसभा, भाजपा)
8. **संजय सिंह महीडा** (महुधा विधानसभा, भाजपा)
9. **चैतन्य सिंह झाला** (पादरा विधानसभा, भाजपा)
10. **अरुण सिंह राणा** (वागरा विधानसभा, भाजपा)
11. **बलवंत सिंह राजपूत** (सिद्धपुर विधानसभा, भाजपा)
12. **दिनेश सिंह कुशवाहा** (बापूनगर, भाजपा)
13. **चतुर सिंह चावड़ा** (विजापुर विधानसभा, कांग्रेस)
14. **धर्मेन्द्र सिंह वाघेला** (वाघोडिया विधानसभा, निर्दलीय)

हिमाचल प्रदेश

1. **कुलदीप सिंह पठानिया** (भट्टियात, कांग्रेस)
2. **भवानी सिंह पठानिया** (फतेहपुर, कांग्रेस)
3. **केवल सिंह पठानिया** (कांगड़ा, कांग्रेस)
4. **केवल सिंह** (शाहपुर, कांग्रेस)
5. **रवि ठाकुर** (लाहौल और स्पीति, कांग्रेस)
6. **सुंदर सिंह ठाकुर** (कुल्लू, कांग्रेस)
7. **रोहित ठाकुर** (जुब्बल-कोटखाई, कांग्रेस)
8. **जगत सिंह नेगी** (किन्नौर, कांग्रेस)
9. **विक्रमादित्य सिंह** (शिमला ग्रामीण, कांग्रेस)
10. **हर्षवर्धन चौहान** (शिलाई, कांग्रेस)
11. **राजेन्द्र सिंह** (सुजानपुर, कांग्रेस)
12. **चंद्रशेखर** (धर्मपुर, कांग्रेस)
13. **दविंदर कुमार** (कुटलेहर, कांग्रेस)
14. **राजा अनिरुद्ध चंद** (कसुंपति, कांग्रेस)
15. **सुखविंदर सिंह** (नादौन, कांग्रेस)
16. **विपिन सिंह परमार** (सुलह, भाजपा)
17. **दिलीप ठाकुर** (सरकाघाट, भाजपा)
18. **बिक्रम सिंह** (जसवां, भाजपा)
19. **इंदर सिंह** (बल्ह, भाजपा)
20. **सतपाल सिंह** (ऊना, भाजपा)
21. **जयराम ठाकुर** (सिराज, भाजपा)
22. **धविंदर सिंह** (डलहौजी, भाजपा)
23. **रणबीर सिंह** (नूरपुर, भाजपा)
24. **बिक्रम सिंह** (जसवां परागपुर, भाजपा)
25. **त्रिलोक जमवाल** (बिलासपुर, भाजपा)
26. **पूरन चंद ठाकुर** (दरंग, भाजपा)
27. प्रकाश राणा (जोगिंदरनगर, भाजपा)
28. **राकेश कुमार** (सुंदरनगर, भाजपा)
29. **डॉ. होशयार सिंह** (देहरा, निर्दलीय)
30. **के.एल. ठाकुर** (नालागढ़, निर्दलीय)

श्री संघशक्ति प्रकाशन प्रन्यास (मालिक) के लिए मुद्रक व प्रकाशक लक्ष्मणसिंह द्वारा गजेंद्र प्रिन्टर्स, सांगों का रास्ता, किशनपोल बाजार, जयपुर-302003 (दूरभाष 2313462) से मुद्रित एवं ए/8, तारानगर, झोटवाड़ा, जयपुर- 302012 **(दूरभाष: 2466353 व 2466387)** से प्रकाशित। सम्पादक- लक्ष्मणसिंह। Email:- pathprerak1997@gmail.com, Web site:- www.shrikys.org